17/7/20

October 2016
288-078
Friday 14

B.A. I Part
Hindi Hons
मध्यकालीन हिन्दी काव्य
Paper I

डॉ० उपेन्द्र कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
एस०एन० एस०ए० कॉलेज,
जहानाबाद

प्रश्न :— अयोध्याकाण्ड, रामचरितमानस का महत्त्व क्या है, स्पष्ट करें।

उत्तर :— आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस को हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ काव्य स्वीकार किया है। शुक्ल जी के अनुसार श्रेष्ठ काव्य के निम्नलिखित उपादान होते हैं।

(1) श्रेष्ठ काव्य वह है जिसमें कवि की भावुकता का पूर्णतया से परिचय मिलता है। अर्थात् जीवन की विभिन्न परिस्थितियों और मानव भावनाओं के साथ कवि के रागात्मक सामंजस्य का पूर्ण परिचय मिले।

(2) श्रेष्ठ काव्य में भाव व्यंजना और वस्तु विधान का उत्कर्ष होता है।

(3) प्रबन्ध काव्य मुक्तक या गीत से श्रेष्ठतर है क्योंकि प्रबन्धों में ही कवि अपनी प्रतिभा का पूर्ण परिचय दे सकता है। यह परिचय दृश्य योजना, घटना विधान, परिस्थिति निर्माण, चरित्र-चित्रण तथा भाव-व्यंजना के माध्यम सामंजस्य प्रस्तुत किया जाता है।

(4) प्रबन्ध काव्य के अन्तर्गत कथा-प्रसंगों के बीच मार्मिक स्थलों के पहचान का परिचय काव्य कवि का विधायक है। कथा के मार्मिक स्थलों को पहचान कर वर्णन

कसौटी :—

B.A. I Part 17/7/20 ② क्रमशः —
Hindi Hons
Paper-I
तुलसी, अयोध्याकांड

कवि उनका उपयोग हृदय के पवित्र भावों की व्यंजना के लिए करता है।

(5) चरित्र-चित्रण के साथ प्रकृति-चित्रण की कुशलता का परिचय भी काव्य के उत्कर्ष का सूचक है। प्रकृति-चित्रण सफल प्रबंधकार ही कर सकता है।

उपर के कारण आनुसार रामचरितमानस के अयोध्याकांड की पूर्ण रूप से व्याख्या करते हैं।

अयोध्याकांड के द्वारा तुलसी की भावुकता का पूर्ण परिचय मिलता है। इस कांड में परिस्थितियों और भाव दशाओं का जीवन्त चित्रण देखने को मिलता है जो मानस के शेष काण्डों में भी नहीं। अयोध्याकांड का प्रारंभ राम के राज्याभिषेक के उपक्रम से होता है फिर यह आनन्द हर्ष के कारण मंथरा कुटिल व्यवहार के कारण विषाद और शोक में बदल जाता है। राम-वनगमन, दशरथ-मरण, के अत्यधिक कारुणिक प्रसंगों के साथ पथ में राम, लक्ष्मण, सीता के विविध भाव, ग्राम वधुटियों तथा निषाद का प्रसंग फिर चित्रकूट में राम-भरत का मिलन का दृश्य — ये सभी भाव और प्रसंग तुलसी की भावुकता के श्रेष्ठ उदाहरण हैं। इस प्रकार हम स्पष्टतः कह सकते हैं कि भावों या दृश्यों के जीवन्त अंकन विस्तार की दृष्टि से ही नहीं गहराई की दृष्टि

क्रमशः —

क्रमशः —

(3)

17/7/20

B.A. I Part
Hindi Hons I Paper
तुलसी, अयोध्याकांड

October 2016
17
Monday

इसे भी अयोध्याकांड को निःसंदेह रामचरितमानस का हृदय कहा जा सकता है।

भावभूमि की व्यापकता को सफल ग्रंथों का मूल आधार माना है। इस आलोक में विवेच्य ग्रंथ का उत्कृष्टतम उदाहरण मानस में अयोध्याकांड प्रस्तुत करता है। राम वन गमन का प्रसंग ऐसा है जिसमें करुणा रस साकार हो जाती है। समूची अयोध्या गंभीर विषाद में डूबी दिखाई देती है — नर-नारी ही नहीं पशु-पक्षीगण भी राम-विरह पीड़ा को मानो भावनों के कारण रो रहे हैं।

दूसरी तरफ भरत-राम की अत्यंत गंभीर अभिव्यंजना चित्रकूट के सभा के प्रसंग में हुई है। यहाँ धर्मशास्त्र, नीति और दर्शन के गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन हुआ है और भारतवर्ष की पहचान में सहायक है।

प्रबंध विधान की दृष्टि से भी मानस के अन्य कांडों में अयोध्याकांड ही सर्वश्रेष्ठ है। अयोध्याकांड में ही रामकथा का मूल अंश — राम वन गमन का बीजारोपण होता है और उसकी अंत घटना-शृंखला का सूत्रपात होता है जिसकी चरम परिणति रावण-वध, विभीषण-राज्य और रामराज्य की स्थापना के रूप में होती है।

क्रमशः —